**भारत सरकार**

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

उच्‍चतर शिक्षा विभाग

**राज्‍य सभा**

अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या: 1180

उत्‍तर देने की तारीख: 20.12.2018

**इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में परिवर्तन**

**1180. डा॰ प्रभाकर कोरेः**

 क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि अधिकतर नियोक्ता यह शिकायत करते हैं कि इंजीनियरिंग स्नातक सेवा और उत्पादन उद्योग के समक्ष पेश आ रही वास्तविक समस्याओं का हल करने के लिए सुसज्जित नहीं होते हैं;

(ख) क्या अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रमुख परिवर्तन लाने पर विचार कर रही है ताकि इंजीनियरिंग स्नातकों को अधिक व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हो सके; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके कार्यान्वयन की समय-सीमा क्या है?

**उत्तर**

**मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्‍य मंत्री**

**(डॉ. सत्‍य पाल सिंह)**

(क): सरकार के पास ऐसी कोई सूचना उपलब्‍ध नहीं है।

(ख) और (ग): छात्र तकनीकी कौशल को उद्योगों की आवश्‍यकताओं के अनुरूप बनाने के उद्देश्‍य से अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने इंजीनियरिंग के अवर स्‍नातक (यूजी) एवं स्‍नातकोत्‍तर (पीजी) कार्यक्रम हेतु परिणाम आधारित मॉडल पाठ्यक्रम विकसित किया है। इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम की पाठ्यचर्या का फोकस मूल विषयों के माध्‍यम से जो विशिष्‍टता के उन्‍नत अध्‍ययन, लचीले और विविध कार्यक्रम के एच्‍छिक विषय, कौशल बढ़ाने हेतु मुक्‍त वैकल्‍पिक, प्रतिभा विकास को सुनिश्‍चित करने हेतु सहयोगात्‍मक और वार्तालाप अधिगम पर है।

 अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) विद्यार्थियों की नियोजनीयता बढ़ाने हेतु कार्ययोजना का कार्यान्‍वयन कर रहा है। योजना का फोकस, विद्यार्थियों का उद्योग के साथ सामंजस्‍य बढ़ाने के लिए, आरंभिक प्रशिक्षण, अनिवार्य इंटर्नशिप, औद्योगिक तत्‍परता और नवाचार/स्‍टार्ट-अप को बढ़ावा देने पर है।

 विभिन्‍न कॉलेजों से स्‍नातक कर रहे इंजीनियरिंग प्रोफेशनल ज्ञान और तकनीकी जानकारी के मानकों में सुधार करने और उन्‍हें वैश्‍विक स्‍तर पर स्‍पर्धा करने में समर्थ बनाने हेतु, एआईसीटीई द्वारा निम्‍नलिखित उपाय अनुमोदित किए गए हैं:

1. तकनीकी शिक्षा हेतु भावी योजना
2. इंजीनियरिंग विद्यार्थियों हेतु प्रारंभिक कार्यक्रमों की शुरूआत
3. पाठ्यक्रम का पुन:विवेचन
4. अनिवार्य इंटर्नशिप
5. तकनीकी और सॉफ्ट स्‍किल द्वारा औद्योगिक तत्‍परता
6. नवाचार/ स्‍टार्ट-अप को बढ़ावा देना
7. परीक्षा सुधार
8. शिक्षकों का प्रशिक्षण

**\*\*\*\*\***